**भारत सरकार**

**सूचना और प्रसारण मंत्रालय**

**लोक सभा**

**अतारांकित प्रश्न संख्या 4457**

**(दिनांक 20.08.2025 को उत्तर देने के लिए)**

## सामुदायिक रेडियो स्टेशनों और दूरदर्शन केंद्रों का उन्नयन

**4457. श्री जशुभाई भिलुभाई राठवाः**
**डॉ. विनोद कुमार बिंदः**
**श्री प्रताप चंद्र षडङ्गीः**

**क्या सूचना और प्रसारण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः**

(क) जमीनी स्तर पर संचार को सुदृढ़ करने के लिए 2019 से अब तक कितने सामुदायिक रेडियो स्टेशन और दूरदर्शन केंद्र स्थापित किए गए हैं या उन्नत किए गए हैं;

(ख) क्या ग्रामीण मीडिया चैनलों के माध्यम से सरकारी संदेशों की प्रभावशीलता का मूल्यांकन करने के लिए कोई प्रभाव आकलन किया गया है; और

(ग) यदि हाँ, तो तत्संबंधी निष्कर्षों और अनुवर्ती कार्रवाई का ब्यौरा क्या है?

**उत्तर**

**सूचना और प्रसारण एवं संसदीय कार्य राज्य मंत्री**

**(डॉ. एल. मुरूगन)**

**(क) से (ग):** वर्ष 2019 से अब तक पूरे भारत में कुल 264 सामुदायिक रेडियो स्टेशन स्थापित किए गए हैं। मौजूदा सामुदायिक रेडियो स्टेशनों के सुदृढ़ीकरण और उन्नयन के लिए, वित्तीय वर्ष 2020-21 से अब तक 26 स्टेशनों को वित्तीय सहायता प्रदान की गई है।

वर्ष 2019 के बाद से 6 दूरदर्शन चैनल स्थापित किए गए हैं और 17 मौजूदा दूरदर्शन चैनलों को अपग्रेड किया गया है।

सरकार ने वर्ष 2017 में सामुदायिक रेडियो स्टेशनों का प्रभाव मूल्यांकन किया और दिनांक 23.08.2018 को "भारत में सामुदायिक रेडियो स्टेशनों के श्रोताओं की संख्या, पहुँच और प्रभावशीलता पर अध्ययन" शीर्षक से एक रिपोर्ट प्रकाशित की।

रिपोर्ट के अनुसार, सामुदायिक रेडियो ने सामुदायिक जुड़ाव को बढ़ावा देने, स्थानीय संस्कृति के संवर्धन और ग्रामीण एवं दूरदराज के क्षेत्रों में सूचना के प्रसार में प्रमुख भूमिका निभाई है। रिपोर्ट का लिंक हैः https://mib.gov.in/ministry/our-wings/broadcating-wing

दूरदर्शन केंद्रों के लिए प्रचार अभियान पर एक प्रभाव मूल्यांकन अध्ययन फरवरी, 2019 में छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले के वामपंथ उग्रवाद प्रभावित क्षेत्रों में किया गया था। आकाशवाणी रायगढ़ से प्रसारित जिंगल्स/स्पॉट्स के बारे में 73.5% श्रोताओं में जागरूकता दर्ज की गई। आकाशवाणी रायगढ़ के जिंगल्स/स्पॉट्स की साप्ताहिक पहुँच 67% श्रोताओं तक पाई गई।

सरकार विभिन्न प्लेटफार्मों के माध्यम से अपनी ग्रामीण मीडिया आउटरीच का लगातार विस्तार कर रही और विविधता ला रही है:

- डीडी फ्री डिश (फ्री-टू-एयर डायरेक्ट-टू-होम) सेवा 2019 में 104 चैनलों से बढ़कर वर्तमान में 510 चैनलों तक पहुंच गई है।

- इसमें 92 प्राइवेट चैनल, 50 दूरदर्शन चैनल और 320 शैक्षिक चैनल शामिल हैं।

- एफएम गोल्ड, रेनबो और विविध भारती सहित 48 आकाशवाणी रेडियो चैनल उपलब्ध हैं।

- 2024 में, प्रसार भारती ने ओटीटी प्लेटफॉर्म "वेव्स" लॉन्च किया, जो एक बहु-शैली डिजिटल स्ट्रीमिंग एग्रीगेटर है जो दूरदर्शन और आकाशवाणी नेटवर्क चैनलों को एकीकृत करता है।

ये प्लेटफ़ॉर्म सूचना, शिक्षा, संस्कृति और समाचारों को सभी के लिए सुगम बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। ये शैक्षिक कार्यक्रमों और प्राइवेट चैनलों के माध्यम सहित ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों में विशेष रूप से प्रभावशाली हैं।

*****